B.A. History Hon's Part: II
Paper:- IV, Unit: V(C), Date: 27.8.2020 Lecture No: 31
Lession: वियतनाम युद्ध

पृष्ठभूमि: द्वितीय विश्वयुद्ध के पूर्व वियतनाम लाओस और कम्बोडिया सम्मिलित रूप से फ्रांस का हिंदचीन नामक उपनिवेश था। द्वितीय विश्वयुद्ध में हिन्दचीन के अनेक भागों पर जापान का अधिकार हो गया। पूर्व से ही हिंदचीन में फ्रांस से मुक्त होने के लिए आन्दोलन प्रारंभ हो चल रहा था।

जापान का विरोध - हो-ची-मिन्ह वियतनाम के सबसे लोकप्रिय नेता थे। उन्हीं के नेतृत्व में वियतनामी जनता ने जापानी कब्जे का घोर विरोध किया और वियतमिन्ह नाम से एक जनसेना का संगठन किया। द्वितीय विश्वयुद्ध के समाप्त होने तक वियतनाम के बहुत बड़े हिस्से पर वियतमिन्ह का नियंत्रण हो चुका था। अगस्त 1945 में राष्ट्रपति हो-ची-मिन्ह के नेतृत्व में स्वतंत्र वियतनाम गणतंत्र की घोषणा हुई।

फ्रांस के साथ युद्ध: अक्टूबर 1945 में वियतनाम पर पुनः अधिकार करने के लिए फ्रांसीसी सेना वहां पहुँच चुकी थी। 1946 ई० में फ्रांसीसी सेना तथा वियतनाम की वियतमिन्ह सेना में युद्ध छिड़ चुका था। फ्रांस और वियतनाम का युद्ध लगभग आठ वर्षों तक चला। 1954 ई० में वियतनाम की सेना वियतमिन्ह ने दियन-बियन-फू के किले के पास फ्रांसीसी सेना को बुरी तरह पराजित किया।

जेनेवा का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और वियतनाम का विभाजन - 1954 ई० में जेनेवा में एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन बुलाया गया। इस सम्मेलन में वियतनाम को दो भागों में बाँट दिया गया - उत्तरी वियतनाम और दक्षिणी वियतनाम। लाओस और कम्बोडिया को भी स्वतंत्र कर दिया गया।

अमेरिका के साथ युद्ध: वियतनाम के विभाजन के बाद वहाँ स्वतंत्र आन्दोलन का एक नया बिगुल फूँक दिया। समझौते के अनुसार उत्तरी वियतनाम में हो-ची-मिन्ह के नेतृत्व में साम्यवादी सरकार बनी और दक्षिणी वियतनाम में न्गो-दिन्ह-दियम ने शासन सँभाला। फलतः 1960 में दक्षिणी वियतनाम के सरकार के विरुद्ध जन-आन्दोलन प्रारंभ हो गया। वहाँ की जनता ने 'वियतकांग' नामक एक संगठन बनाया और सरकार के विरुद्ध हिंसात्मक कार्रवाई शुरू कर दी। दक्षिणी वियतनाम के आन्दोलन को दबाने के लिए अमेरिका ने आधुनिक अस्त्र-शस्त्र से लैस लाखों सैनिकों को भेज दिया। जनता ने राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में छापामार युद्ध आरंभ कर दिया। इस युद्ध में अमेरिकी सेनाओं की भारी बम-वर्षा के कारण वियतनाम की भारी क्षति हुई।

वियतनाम द्वारा स्वतंत्रता की प्राप्ति: इस युद्ध के प्रश्न पर अमेरिका दुनियाँ के लगभग सभी देशों से पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया। स्वयं अमेरिका में भी इस युद्ध का विरोध हुआ। 1975 ई० के शुरू में युद्ध एक निर्णायक मोड़ पर आ गया। उत्तरी वियतनाम और दक्षिणी वियतनाम के राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा की सेनाओं का जमावड़ा कर दिया। इस युद्ध में अमेरिका के लगभग 54 हजार सैनिक मारे गए। 30 अप्रैल, 1975 तक सारी अमेरिकी सेना हट गई। दक्षिणी वियतनाम की राजधानी सैगोन को मुक्त करा लिया गया।

वियतनाम के एकीकरण: 1976 ई० में उत्तरी वियतनाम और दक्षिणी वियतनाम औपचारिक रूप से मिलकर एक हो गए। सैगोन शहर का नाम महान वियतनामी नेता हो-ची-मिन्ह की स्मृति में हो-ची-मिन्ह नगर का नाम रखा गया।

उत्तरी और दक्षिणी वियतनाम के एकीकरण तथा स्वतंत्रता प्राप्ति का महत्व: वियतनाम के एकीकरण तथा उसका स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय विश्व इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। अमेरिका के हस्तक्षेप के समाप्त होने पर वियतनाम को एक और ... फ्रांस तथा अमेरिका के विरुद्ध स्वाधीनता के लिए विलम्ब युद्ध करना पड़ा।

जो कम्बोडिया तथा लाओस की जनता से मिलकर युद्ध किया था। कम्बोडिया में पोलपोट के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ। यह सरकार ने कम्बोडिया की जनता पर अत्याचार करना शुरु किया और नरसंहार की नीति अपनाने लगी। 1979 ई० में वियतनाम की सरकार कम्बोडिया की जनता की मदद के लिए आगे आई। हाल में वियतनाम की सेना कम्बोडिया पहुँच गई और वहाँ शांति की स्थापना हेतु वार्तालाप जारी है। 1984 ई० में चीन ने वियतनाम पर भी आक्रमण किया था, पर उसे सफलता नहीं मिली।

□ डा० शंकर जय किशन चौधरी
अतिथि शिक्षक, इतिहास विभाग
डी० बी० कालेज, जयनगर